



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 239]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 12, 1980/श्रावण 21, 1902

No. 239]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 12, 1980/SRAVANA 21, 1902

इस भाग में भिन्न वृष्ट संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 अगस्त, 1980

अधिसूचना

सां०का०नि० 473(अ).—केन्द्रीय सरकार, मंत्रियों के सम्बलनों और भक्तों से संबंधित अधिनियम, 1952 (1952 का 58) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मंत्री (भले, चिकित्सीय उपचार और अन्य विशेषाधिकार), नियम, 1957 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. इन नियमों का नाम मंत्री (भले, चिकित्सीय उपचार और अन्य विशेषाधिकार) नियम, 1980 है।

2. मंत्री, (भले, चिकित्सीय उपचार और अन्य विशेषाधिकार) नियम, 1957 (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 9 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

"9 प्रारक्षित दिवसों में यात्रा

कोई मंत्री जब अध्ययन पर प्रारक्षित दिवसों में यात्रा करता है तब वह अपने दो वैयक्तिक सेवकों के लिए कोई संवाय किए बिना, स्थान सुविधा और नियम 17 के उपबन्धों के अनुसार दैनिक भत्ता देने का हकदार होगा।"

3. उक्त नियम के नियम 10 में "प्रथम श्रेणी के केन्द्रीय सरकारी सेवकों को तत्समय अनुसूच्य दर पर प्रानुषंगिक व्यय" शब्दों के स्थान पर "नियम 17 के उपबन्धों के अनुसार दैनिक भत्ता" शब्द और अंक रखे जाएंगे।

4. उक्त नियम के नियम 13 के उप नियम (1) में,—

(1) खण्ड (क) के प्रारम्भ में आने वाले शब्द "या तो" और कोष्ठक और अक्षर ("क") और खण्ड (क) के परन्तुक के अन्त में आने वाले शब्द "या" का लोप किया जाएगा;

(2) खण्ड (ख) का लोप किया जाएगा, और

(3) टिप्पण में, "खण्ड (क) में", शब्द, कोष्ठक और अक्षर के स्थान पर, "इस उप नियम में" शब्द रखे जाएंगे।

5. उक्त नियम के नियम 17 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

"17 दैनिक भत्ता की दरें

(1) उप नियम (2) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए मंत्री मुख्यालय से प्रस्थान से प्रारम्भ करके मुख्यालय पहुँचने तक मुख्यालय से अनुपस्थित रहने की सम्पूर्ण अवधि के लिए निम्नलिखित दरों पर दैनिक भत्ता पाने का हकदार होगा, अर्थात्:—

(क) 30 रु० का दैनिक भत्ता, जब वह किसी सैलून या निरीक्षण गाड़ी में नहीं ठहरता, और

(ख) 15 रु० का दैनिक भत्ता जब वह अपने सैलून या निरीक्षण गाड़ी में ठहरता है।

स्पष्टीकरण:—मुख्यालय से अनुपस्थिति की सम्पूर्ण अवधि के लिए दैनिक भत्ता निम्नलिखित रूप से विनियमित होगा:—

अनुपस्थिति के प्रत्येक पूर्ण कलेण्डर दिन के लिए, जिसकी गणना अर्ध रात्रि से अर्धरात्रि तक की जाएगी पूर्ण दैनिक भत्ता दिया जा सकेगा।

मुख्यालय से 24 घंटे से कम अवधि की अनुपस्थिति के लिए, दैनिक भत्ता निम्नलिखित दरों पर अनुज्ञेय होगा :—

- (क) 6 घंटे तक की अनुपस्थिति के लिए शून्य
(ख) 6 घंटे से अधिक किन्तु 12 घंटे तक की दर का 70 प्रतिशत अनुपस्थिति के लिए
(ग) 12 घंटे से अधिक की अनुपस्थिति के लिए पूर्ण दैनिक भत्ता

यदि मुख्यालय से अनुपस्थिति की अवधि में दो कनेक्टर बिन पड़ने हैं तो, उसे दो दिन के रूप में संगणित किया जाएगा और प्रत्येक दिन के लिए दैनिक भत्ता उपर्युक्त सीमा से परिगणित किया जाएगा। इसी प्रकार मुख्यालय से प्रस्थान और मुख्यालय वापस पहुँचने के दिनों के लिए भी, दैनिक भत्ता, तदनुसार विनियमित होगा।

(2) यात्रा पर निरन्तर 30 दिन से अधिक रहने के लिए, दैनिक भत्ता निम्न रूप में अनुज्ञेय होगा :—

- (क) प्रथम 30 दिन-उपनिम (1) में विनिर्दिष्ट दरों पर
(ख) 30 दिन से अधिक और 180 दिन तक उप नियम (1) में विनिर्दिष्ट दर का आधा
(ग) 180 दिन से अधिक— शून्य

परन्तु जिस मंत्री का मुख्यालय दिल्ली से भिन्न किसी स्थान पर है, यदि वह दिल्ली में लगातार 30 दिन से अधिक रहता है और इस प्रकार रहने के प्रथम 30 दिन के पश्चात् की अवधि के दौरान उस के वास्तविक खर्चे, उसे इस नियम के अधीन अनुज्ञेय भत्ता की सीमा से अधिक हो जाते हैं तो वह उपर्युक्त अवधि के लिए ऐसे वास्तविक खर्चे, उसको प्रमाणित करने पर, ले सकेगा लेकिन वह रकम उसे यथास्थिति 30 रु० पूर्ण दैनिक भत्ता की या 15 रु० की दर पर अनुज्ञेय रकम से अधिक नहीं होगी।

6. उक्त नियम के नियम 24 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“24 आरक्षित डिब्बे में यात्रा

कोई उप मंत्री जब वह अध्यक्षता पर आरक्षित डिब्बे में रेल द्वारा यात्रा कर रहा हो, तो वह प्रथम श्रेणी के केन्द्रीय सरकारी सेवक को तत्समय अनुज्ञेय दरों पर दैनिक भत्ता पाने का हकदार होगा।”

7. उक्त नियम के नियम 25 में, “आनुषंगिक व्यय” शब्द के स्थान पर “दैनिक भत्ता” शब्द रखा जाएगा।

[फा० सं० 4/9/76-स्टेट्स]

भालचन्द्र देशमुख, अपर सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 12th August, 1980

NOTIFICATION

G.S.R. 473(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Salaries and Allowances of Ministers Act, 1952 (58 of 1952), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Ministers (Allowances, Medical Treatment and other Privileges) Rules, 1957, namely :—

1. These rules may be called the Ministers' (Allowances, Medical Treatment and other Privileges) Amendment Rules 1980.

2. In the Ministers' (Allowances, Medical Treatment and other Privileges) Rules, 1957 (hereinafter referred to as the said rules), for rule 9, the following rule shall be substituted, namely :—

“9. Travel in a Reserved Compartment.—A Minister when travelling in a reserved compartment on requisition shall be entitled without payment to accommodation for two personal servants and to draw daily allowance in accordance with the provisions of rule 17.”

3. In rule 10 of the said rules, for the words “incidentals at the rate for the time being admissible to a Central Government servant of the first grade”, the words and figures “daily allowance in accordance with the provisions of rule 17” shall be substituted.

4. In rule 13 of the said rules, in sub-rule (1),—

- (i) the words “either” and the brackets and letter “(a)” occurring in the beginning of clause (a) and the word “or” occurring at the end of the proviso to clause (a) shall be omitted;
(ii) clause (b) shall be omitted; and
(iii) in the Note, for the words, brackets and letter “in clause (a)”, the words “in this sub-rule” shall be substituted.

5. For rule 17 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely—

17. Rates of Daily Allowance.—(1) Subject to the provisions of sub-rule (2), a Minister shall be entitled to draw daily allowance for the entire period of absence from headquarters starting with the departure from headquarters and ending with the arrival at the headquarters at the following rates namely :—

- (a) a daily allowance of Rs. 30 when he does not stay in the Saloon or inspection carriage; and
(b) a daily allowance of Rs. 15 if he stays in his saloon or inspection carriage.

Explanation.—Daily allowance for the entire period of absence from headquarters will be regulated as follows :—

Full daily allowance may be granted for each completed calendar day of absence reckoned from mid-night to mid-night. For absence from headquarters for less than 24 hours, the daily allowance will be admissible at the following rates :—

- | | |
|--|----------------------|
| (a) for absence not exceeding 6 hours | Nil |
| (b) for absence exceeding six hours but not exceeding 12 hours | 70% of the rate |
| (c) for absence exceeding 12 hours | full daily allowance |

In case the period of absence from headquarters falls on two calendar days, it is reckoned as two days and D.A. is calculated for each as above. Similarly, D.A. for days of departure from and arrival at the headquarters will also be regulated accordingly.

(2) For a continuous halt on tour exceeding 30 days, daily allowance will be admissible as under :—

- (a) first 30 days —At the rates specified in sub-rule (1).
(b) beyond 30 days and up to 180 days —Half of the rates specified in sub-rule (1).
(c) beyond 180 days —Nil

Provided that a Minister whose headquarters are at a place other than Delhi, may, where he makes a continuous halt exceeding 30 days at Delhi and his actual expenses, during the period after the first 30 days of such halt exceeds the limit of allowance admissible to him under this rule, draw for the period aforesaid such actual expenses on certifying to the same but not exceeding the amount that would be admissible at the rate of full daily allowance of Rs. 30 or Rs. 15 as the case may be.

6. For rule 24 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely :—

“24 Travel in a Reserved Compartment.—A Deputy Minister when travelling by railway in a reserved compartment on requisition shall be entitled to draw daily allowance at the rates for the time being admissible to a Central Government servant of the first grade.”

7. In rule 25 of the said rules, for the word “incidentals”, the words “daily allowance” shall be substituted.

[F. No. 4/9/76-States]
B. G. DESHMUKH, Addl. Secy.